प्रेस रिलीज

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी–फ़ारसी विश्वविद्यालय में 'अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस'

लखनऊः ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी–फारसी विश्वविद्यालय के परिसर में दि0 17 नवम्बर 2014 को 'अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस' के उपलक्ष में शिक्षित भारत, सक्षम भारत विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम की श्रखला में, शुक्रवार दि0 14 नवम्बर 2014 को विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में समूह चर्चा का आयोजन भी किया गया था। आज विश्वविद्यालय में आयोजित इस पैनल चर्चा की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 खान मसऊद अहमद ने की और प्रो0 माहरूख मिर्जा (वाणिज्य विभाग), प्रो0 सैयद हैदर अली (व्यवसाय प्रशासन) एवं डॉ0 फखरे आलम (उर्दू विभाग) पैनल विष्याध्यक्ष रहे। कार्यक्रम में सुश्री दोआ नक़वी, असिस्टेंट प्रोफेसर (व्यवसाय प्रशासन) ने चर्चा में मोडरेटर की भुमिका निभाई। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से नामांकित 16 छात्रों ने 'शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार' हेतु अपने विचार प्रस्तुत किये और उससे संबंधित सुझावों की एक सूची भी सौंपी। पैनल चर्चा में उभरे मुख्य सुझाव थे, व्यवहारिक ज्ञान के अतिरिक्त प्रायोगिक शिक्षा पर बल देना, मौजूदा सकार की नीतियों का पूर्ण रूप से क्रियानवयन होना तथा सभी राज्य और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में विभिन्न पाठयक्रमों में समान शुल्क का निर्धारण होना। नई तकनीकियों के शिक्षा पर बढ़ते प्रभाव के चलते स्मार्ट क्लास और डिजिटलाइजेशन को उच्च शिक्षा से भी जोड़ने का प्रस्ताव रखा गया।

इस अवसर पर छात्रों को सम्बोधित करते हुये कुलपति ने शिक्षा की गुणवत्ता की आवश्यकता पर बल देते हुये बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में प्रायोगिक सुविधाओं को छात्रों तक पहुंचाने की निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

समारोह के अन्त में कार्यक्रम प्रभारी डॉ0 तनु डंग (असिस्टेंट प्रोफेसर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन) ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रूचिता सुजय चौधरी (असिस्टेंट प्रोफेसर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन) द्वारा किया गया।